बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विद्या विहार, राय बरेली रोड, लखनऊ **- 226 025**

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University

(A Central University)

Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226 025

National Webinar on Preventing, Combating and Responding to Gender Based Violence

Report

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति, जेंडर चैंपियन कमिटी, उन्नत भारत अभियान टीम और एनसीसी यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक **20th जनवरी 2021** को वेबिनार का आयोजन किया गया। यह वेबिनार **"Preventing, Combating and Responding to Gender Based Violence"** विषय पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह कार्यक्रम के संरक्षण के आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शीला मिश्रा, चेयर पर्सन, आईसीसी, एल.यू., लखनऊ ने समाज में लैंगिक संतुलन पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति है और इस विचारधारा से लड़ने के लिए हमें खुद को मानसिक रूप से मजबूत करना होगा। यह मानसिक विकृति सिर्फ कम पढ़े या कम जागरूक लोगों में ही नहीं बल्कि ऊंचे पायदान पर पहुंच चुके लोगों में भी देखने को मिलती है। हमें इस समस्या की जड़ को समझना होगा और तभी हम लैंगिक असमानता और हिंसा को कम कर सकते हैं। उन्होंने लिंग के आधार पर हो रही हिंसा को रोकने के **Preventing** और **Curative Measures** पर भी बात की। उन्होंने बच्चों में अच्छे आचरण का विकास करने, पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा को एक विषय के तौर पर पढ़ाने जैसी नीतियों को समाज से लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए आवश्यक बताया।

वेबिनार की विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर तूहीना वर्मा, चेयर पर्सन, डब्ल्यू. जी. डब्ल्यू. सी., डॉ राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी, अयोध्या, ने लैंगिक भेदभाव को लैंगिक हिंसा का मुख्य कारण बताते हुए कहा कि भारत एक ऐसा देश रहा है जहां महिलाओं को देवी के समान पूजा गया। मगर मध्यकाल के बाद से भारत मे महिलाओं की स्थिति में गिरावट आई है। उन्होंने लैंगिक हिंसा को देश के विकास में बाधक बताया और इसके समाधान के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, वीमेन हेल्पलाइन स्कीम और महिलाएं हट जैसी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

प्रो0 डी0 पी0 सिंह, डायरेक्टर आई0 क्यू0 ए0 सी, बीबीएयू ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं में पुरुषों की तुलना में कहीं ज्यादा संवेदनशीलता और ज़िम्मेदारी का भाव होता है। उनकी यह विशेषताएं प्रकृति प्रदत्त हैं। मगर फिर भी महिलाओं को समाज मे कई तरह की हिंसा और भेदभाव का सामना

करना पड़ता है। हमें सिर्फ शारीरिक नही बल्कि महिलाओं के प्रति हो रही मानसिक हिंसा पर भी ध्यान देना होगा और इसके निवारण के उपाय तलाशने होंगे क्योंकि मानसिक हिंसा महिलाओं के आत्म विश्वास को हानि पहुंचाती है और उन्हें मानसिक रूप से भी कमजोर करती है।

प्रोफेसर नवीन अरोरा, अध्यक्ष, उन्नत भारत अभियान टीम, ने कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कार्यक्रम में उन्नत भारत टीम द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा किये गए कार्यों के बारे में जानकारी दी और साथ ही भविष्य में उन्नत भारत टीम द्वारा किये जाने वाले कार्यों की भी जानकारी दी।

प्रोफेसर शिल्पी वर्मा, अध्यक्ष, महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति और जेंडर चैंपियन कमेटी, ने विश्वविद्यालय परिसर को महिलाओं के लिए सहज बनाने, महिला सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में दोनों समितियों द्वारा किए गए कार्यों, और इस दिशा में छात्रों की लगातार हो रही सक्रिय भागीदारी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने समाज में काम से संबंधित लैंगिक रूढ़ियों को मिटाने की बात पर बल दिया ।

कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ राजश्री द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर यू. वी. किरण ने विशिष्ट अतिथि का परिचय दिया। कार्यक्रम की सह-संयोजक डॉ रचना गंगवार ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत मे वेबिनार के सह-आयोजन सचिव डॉ मनोज डडवाल ने वेबिनार में उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस वेबिनार का सजीव प्रसारण फेसबुक लाइव BBAU_Social Media पर किया गया जिसमे 324 views थे | Youtube channel https://youtu.be/-ZEHz0fQN2w पर इसकी रिकार्डिंग उपलब्ध है, जिसमे 20 घंटो में 95 views हुए | वेबिनार का आयोजन Google Meet **https://meet.google.com/hkg-tnui-aka** पर किया गया, जिसपर लगभग 100 views थे | Youtube में **Gender based Violence** से सम्बंधित सुझाव भी दिए गए |

अध्यक्षा
प्रो0 शिल्पी वर्मा
सी0 बी0 एफ0 डब्ल्यू0 एवं जी0 सी0 सी0
(पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग)
बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ
ई–मेलः shipoo.lko@gmail.com
मो0 न0: 8004000567

Some Glimpses of Webinar from Social Media





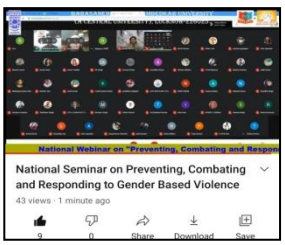














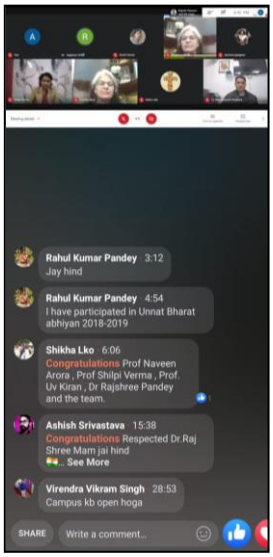












Press Release

अमर उजाला 20/1/2021

जेंडर बेस्ड् वॉयलेंस पर चर्चा आज

लखनऊ। बीबीएयू में महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति, जेंडर चैंपियन कमेटी, उन्नत भारत अभियान टीम और एनसीसी यूनिट की ओर से 20 जनवरी को वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। विषय 'प्रिवेंटिंग, कांबेटिंग एंड रेस्पॉडिंग टू जेंडर बेस्ड वॉयलेंस' है। मुख्य अतिथि प्रो. शीला मिश्रा अध्यक्ष आईसीसी लविवि रहेंगी। विशिष्ट अतिथि प्रो. तूहीना वर्मा अध्यक्ष, डब्ल्यूजीडब्ल्यूसी, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी अयोध्या होंगी।

वॉयस ऑफ लखनऊ
20/1/2021

बीबीएयू में वेबिनार आज

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विवि के महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति, जेंडर चैंपियन कमिटी, उन्नत भारत अभियान टीम और एनसीसी यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में वेबिनार का आयोजन 20 जनवरी को गूगल मीट के माध्यम से किया जा रहा है। वेबिनार प्रिवेंटिंग, कांबेटिंग एंड रेस्पॉडिंग टू जेंडर बेस्ड वायलेंस विषय पर आयोजित हो रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. शीला मिश्रा, चेयरपर्सन, आईसीसी, लविवि तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. तूहीना वर्मा, चेयरपर्सन, डब्ल्यू. जी. डब्ल्यू. सी., डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विवि, अयोध्या, वेबिनार की विषय वस्तु पर अपने विचार साझा करेंगी।

अमर उजाला 21/1/2021

महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति

लखनऊ। महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति है और इस विचारधारा से लड़ने के लिए हमें खुद को मानसिक रूप से मजबूत करना होगा। यह मानसिक विकृति ऊंचे पायदान पर पहुंच चुके लोगों में भी देखने को मिलती है। लविवि की आईसीसी चेयरमैन प्रो. शीला मिश्रा ने बुधवार को यह बात बीबीएयू में आयोजित वेबिनार में कही। इसका आयोजन महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति, जेंडर चैंपियन कमेटी, उन्नत भारत अभियान टीम और एनसीसी यूनिट की ओर से किया गया। विशिष्ट अतिथि प्रो. तूहीना वर्मा ने लैंगिक भेदभाव को लैंगिक हिंसा का मुख्य कारण बताते हुए कहा कि मध्यकाल के बाद से भारत में महिलाओं की स्थिति में गिरावट आई।

सहारा 21/1/2021

खुद की शक्ति से रूबरू हों महिलाएं, करें अनुकरण

लविवि में छात्राओं से पुलिस कमिश्नर ने किया संवाद व बीबीएयू में 'प्रिवेंटिंग, कांबेटिंग एंड रेस्पॉडिंग टू जेंडर बेस्ड वायलेंस' पर वेबिनार



महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति : प्रो. शीला मिश्रा : महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति है और इस विचारधारा से लड़ने के लिए हमें खुद को मानसिक रूप से मजबूत करना होगा। यह बात बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के वीसीनगरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित वेबिनार में मुख्य अतिथि प्रो. शीला मिश्रा ने कही। इस अवसर पर डॉ राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी अयोध्या की प्रोफेसर तूहीना वर्मा और बीबीएयू के प्रोफेसर डी पी सिंह ने भी विचार रखे।

हिन्दुस्तान 21/1/2021

महिलाओं को कम समझना मानसिक विकृति

लखनऊ। महिलाओं को कम समझना मानसिक विकृति है। इस विचारधारा से लड़ने के लिए हमें खुद को मानसिक रूप से मजबूत करना होगा। यह मानसिक विकृति कम पढ़े या कम जागरूक लोगों में ही नहीं बल्कि ऊंचाई पर पहुंचे लोगों में भी देखने को मिलती है। यह बात बीबीएयू में बुधवार को वेबिनार में मुख्य अतिथि और लविवि की प्रोफेसर शीला मिश्रा ने कही। इस अवसर पर डॉ राम मनोहर लोहिया अवध यूनिवर्सिटी अयोध्या की प्रोफेसर तूहीना वर्मा और बीबीएयू के प्रोफेसर डी पी सिंह ने ने भी विचार रखे।

06 वॉयस ऑफ लखनऊ
21/1/2021

महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति : प्रो. शीला

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति, जेंडर चैंपियन कमेटी, उन्नत भारत अभियान टीम और एनसीसी यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को वेबिनार का आयोजन हुआ। यह वेबिनार 'प्रिवेंटिंग, कांबेटिंग एंड रेस्पॉडिंग टू जेंडर बेस्ड वायलेंस' विषय पर हुई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लविवि की आईसीसी चेयरपर्सन प्रो. शीला मिश्रा ने समाज में लैंगिक संतुलन पर चल देते हुए कहा कि महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति है और इस विचारधारा से लड़ने के लिए हमें खुद को मानसिक रूप से मजबूत करना होगा। यह मानसिक विकृतिलिकम पढ़े या कम जागरूक लोगों में ही नहीं बल्कि ऊंचे पायदान पर पहुंच चुके लोगों में भी देखने को मिलती है। उन्होंने कन्धों में अच्छे आचरण का विकास करने, पाठ्यक्रम में लैंगिक विषय को एक विषय के तौर पर पढ़ाने जैसी नीतियों को समाज से लैंगिक असमानता को दूर करने के लिए



● बीबीएयू में प्रिवेंटिंग, कांबेटिंगएंड रेस्पॉडिंग टू जेंडर बेस्ड वायलेंस विषक वेबिनार आयोजित

आवश्यक बताया।

वीसीएयू की महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति और जेंडर चैंपियन कमेटी की अध्यक्ष प्रो. तूहीना वर्मा ने लैंगिक भेदभाव को लैंगिक हिंसा का मुख्य कारण बताते हुए कहा कि भारत एक ऐसा देश रहा है, जहां महिलाओं को देवी के समान पूजा गया। मगर मध्यकाल के बाद से भारत में महिलाओं की स्थिति में गिरावट आई है। उन्होंने लैंगिक हिंसा को देश के विकास में बाधक बताया और इसके समाधान के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर चर्चा की।

वीसीएयू आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. दीपी सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महिलाओं में पुरुषों की तुलना में कहीं ज्यादा सहिष्णुशीलता और जिम्मेदारी का भाव होता है। उनको यह विशेषताएं प्रकृति प्रदत्त हैं लेकिन फिर भी महिलाओं को समाज में कई तरह की हिंसा और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। हमें जिसे शारीरिक नहीं बल्कि महिलाओं के प्रति हो रही मानसिक हिंसा पर भी ध्यान देना होगा।

वीसीएयू की महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति और जेंडर चैंपियन कमेटी की अध्यक्ष प्रो. तिलगी वर्मा ने विभिन्न परिसर की महिलाओं के लिए खास बनाये के लिए किये गये कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ राजश्री द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

NBT 21/1/2021

लखनऊ/ग्रेटर लखनऊ

'महिला सुरक्षा के लिए समाज की सोच बदलना जरूरी'

एलयू में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोले पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर



'महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति'

वीबीएयू में हुए वेबिनार में बोले वक्ता

■ एनबीटी, लखनऊ: बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में बुधवार को लखनऊ की महिलाओं की आधारभूत सुविधा समिति, जेंडर चैंपियन कमिटी, उन्नत भारत अभियान टीम और एनसीसी यूनिट की ओर से मिलकर वेबिनार करवाया गया। 'प्रिवेंटिंग, कांबेटिंग एंड रेस्पॉडिंग टू जेंडर बेस्ड वायलेंस' विषय पर हुए वेबिनार में मुख्य अतिथि एलयू की प्रोफ. प्रो. शीला मिश्रा ने लैंगिक संतुलन का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं को कमतर समझना मानसिक विकृति है। इस संदर्भ में लड़ने के लिए हमें खुद को मानसिक रूप से मजबूत करना होगा। उन्होंने लिंग के आधार पर हो रही हिंसा को रोकने के प्रिवेंटिव और क्यूरेटिव मेजर्स पर भी बात की।

वेबिनार की विशिष्ट अतिथि प्रो. तूहीना वर्मा ने लैंगिक भेदभाव को लैंगिक हिंसा का मुख्य कारण बताया। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, वीमेन हेल्पलाइन स्कीम और महिलाएं हाउ जैसी पोलगओं के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपती आचार्य संजय सिंह, प्रो. दीपी सिंह, प्रोफेसर नवीन अरोरा, प्रोफेसर तिलगी वर्मा ने भी अपनी बात रखी।